Page 1

Page No.:
Date:

BA (III), Social Psychology

Paper 5

Topic – Reduction of Social Tension in India:

समाज मनोवैज्ञानिकों के द्वारा भारत में सामाजिक तनाव कम करने हेतु कुछ ऐसे उपायों का वर्णन किया है जिसके द्वारा सामाजिक तनाव को कम किया जा सकता है निम्नलिखित है।

(1.) राष्ट्रीय धन सम्पदा का उचित वितरण – भारत में आर्थिक असमानता सामाजिक तनाव का एक महत्वपूर्ण कारण है जिसे कम करने या दूर करने का सबसे प्रमुख तरीका आर्थिक असमानता को मिटाना है। भारतीय समाज के कुछ लोगों के पास राष्ट्र का धन अधिक होने के कारण राष्ट्र कुछ ही लोग खुशहाल होते हैं। ऐसी स्थिति में राष्ट्र के अधिकांश लोग गरीबी, भुखमरी एवं बेरोजगारी से पीड़ित होते है। जो सामाजिक तनाव से पीड़ित हो जाते हैं। इन दोनों तरह के लोगों के बीच आपसी तनाव एवं संघर्ष बढ़ जाता है। अतः इसे कम करने हेतु राष्ट्रीय धन एवं सम्पत्ति का उचित वितरण का आर्थिक असमानता को दूर किया जा सकता है। ऐसा होने से सामाजिक तनाव कम हो सकता है।

(2) उचित शिक्षा – अज्ञानता सामाजिक तनाव का भी एक महत्वपूर्ण कारण है। अज्ञानता के कारण राष्ट्र के अधिकांश लोगों में सामाजिक बुराइयाँ पनपने लगता है। अतः उचित शिक्षा के माध्यम से अज्ञानता को दूर किया जा सकता है। यदि बच्चों को प्रारंभ से ही उचित शिक्षा दिया जाए तो

यह उम्मीद किया जा सकता है इन बच्चों में जाति तनाव एवं सम्प्रदायिक तनाव की उभरने की संभावना कम हो जाती है

(3) पारस्परिक सम्पर्क को बढ़ाना :- समाज के विभिन्न वर्गों एवं समुदायों के लोगों के बीच पारस्परिक सम्पर्क को बढ़ाया जाय तथा उनके बीच की सामाजिक दूरी को घटाया जाय तो सामाजिक तनाव कम हो सकता है। अतः पारस्परिक सम्पर्क को बढ़ाने के लिए समय समय पर विभिन्न समुदाय के लोगों के लिए विचार - गोष्ठी, सम्मेलन, रेडियो एवं टेलीविजन प्रोग्राम आदि का आयोजन एवं प्रसारण का होना आवश्यक है

(4) सामान्य लक्ष्य :- भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों एवं समुदायों को संगठित कर आपसी सहयोग की भावना जागृत कर सामाजिक तनाव को दूर किया जा सकता है सामान्य लक्ष्य होने पर समाज सभी वर्गों के सदस्य स्वयं उन लक्ष्यों के प्रति आकर्षित होने की संभावना बनी रहती है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण एवं भावनात्मक समीकरण को देश की जनता के समक्ष एक सामान्य लक्ष्य बनाकर पेश करना एक महत्वपूर्ण कदम है सामाजिक तनाव को दूर करने का।

(5) सामाजिक सुधार एवं उचित विधान — सामाजिक तनाव को कम करने के लिए सामाजिक सुधार एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके द्वारा भाषा, रहन-सहन, रीति-रिवाजों आदि को कम किया जा सकता है जिससे सामाजिक तनाव में कमी आयगी। परन्तु इस कदम के लिए सरकार को आगे आकर कुछ विधान या कानून बनाना होगा। जिससे सामाजिक तनाव अपने आप कम हो जाय। जैसे सरकार ने दलितों के हित के लिए विधान या कानून बनाकर दलितों एवं सबल वर्गों के बीच तनाव को कम किया है। इस विधान के आड़ से दलित अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं एवं सबल वर्ग भी अपनी सीमा को पहचानने लगे हैं। सरकार अन्तर्जातीय विवाह से संबंधित कानून बनाकर जातिगत तनाव को कम करने का कार्य किया है।

(6) स्वस्थ समाजिकरण – समाजिक तनाव को कम करने हेतु बच्चों का स्वस्थ समाजिकरण अनिवार्य है। माता-पिता को चाहिए कि बच्चों में जाति एवं वर्गों के प्रति तनाव एवं नकारात्मक मनोवृत्ति उत्पन्न न हो। स्कूल, कॉलेज, पास-पड़ोस, राजनैतिक संगठन जैसे द्वितीयक समाजिकरण के साधनों का उचित उपयोग कर समाजिक तनाव को दूर किया जा सकता है।

(7) गाँधीवादी तरीका – गाँधीजी ने समाजिक तनाव को कम करने हेतु सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह का प्रतिपादन किया है।

(8) आपातिजनक घटनाओं पर रोक – समाजिक तनाव को रोकने हेतु आपातिजनक घटनाओं का प्रकाशन तथा उसकी समाजिक प्रतिक्रिया के

पर रोक लगायी जाय, यदि उच्च (ले ???) वर्गों द्वारा निम्न वर्ग के व्यक्तियों पर किये गये अत्याचार की प्रतिक्रिया पर रोक लगा दी जाय, तो सम्भव है कि तनाव एक स्थान क्षेत्र में ही सीमित रह जाये और वह सामाजिक तनाव का रूप न ले। यदि इसी तरह से राजनीतिक व धार्मिक जुलूसों को निकालने पर यदि रोक लगा दी जाये तो इससे भी सामाजिक तनाव दूर हो सकता है।

अतः उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर हम कह सकते हैं कि यदि इन उपायों को ठीक ढंग से लागू किया गया तो सामाजिक तनाव बहुत हद तक कम हो सकता है।

Kumar Patel
Maharaja College, Ara.